डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

मई 2023 खण्ड 35 अंक 05

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

घटनाक्रम 11

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 20

कार्मिक समाचार 25

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 26

अन्य 28

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902434
फैक्सः 011-23819151

डीआरडीओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

डीआरडीओ की महिला कर्मियों के सभी संवर्गों के योगदान को स्वीकार करने हेतु डीआरडीओ प्रत्येक वर्ष बड़े हर्षोल्लास के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन करता है। रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने वर्ष 2023 के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह एसडीएम प्रबंधन विकास संस्थान (एसडीएमआईएमडी), मैसूर में 13–14 मार्च 2023 के दौरान आयोजित किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का शीर्षक था 'सिन्क्रोनाइजिंग्ली मैनेजिंग हर रिसर्च इनोवेशन्स एण्ड टेक्नोलॉजीकल इन्सपायरेशन्स (स्मृति)'। कार्यक्रम का उदघाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, रक्षा आर एवं डी विभाग और अध्यक्ष डीआरडीओ द्वारा डॉ उपेन्द्र सिंह, महानिदेशक (एलएस), और डॉ एडी सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल की मौजूदगी में किया। यह कार्यक्रम महिलाओं की सांस्कृतिक, राजनीतिक, भाषिक, और सामाजिक–आर्थिक उपलब्धियों की याद दिलाता है। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से लगभग 250 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ विजयलक्ष्मी आई बालेकुंड्री, प्रोफेसर प्रतिष्ठित एवं पूर्व प्रभागाध्यक्ष, बाल हृदयरोग विभाग, श्री जयदेवा इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंस एण्ड रिसर्च, और डॉ हरप्रीत ए डे सिंह, कार्यकारी निदेशक, एयर इंडिया लिमिटेड, पूर्व सीईओ, एलायंस एअर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। डॉ शायलेजा आर, वैज्ञानिक 'एफ' एवं संयोजक, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का एक सिंहवालोकन प्रस्तुत किया।

डॉ कामत ने डीआरडीओ के महिला वैज्ञानिकों द्वारा लिखित 33 तकनीकी एवं 16 गैर–तकनीकी आलेखों सहित एक सार–संग्रह तथा सुश्री आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी', और संयुक्त निदेशक, डीपीआरओ, ए एण्ड एम, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा लिखित एक पुस्तक, नामतः 'मेन अपराजिता' का विमोचन किया। डॉ विजयलक्ष्मी आई, बालेकुंद्री ने अपने संबोधन में महिलाओं की राष्ट्र–निर्माण में भूमिका तथा योगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को उच्च लक्ष्य पाने तथा अपनी अभिप्रेरणीय जीवन गाथाओं से सभी को अवगत कराने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ सिंह ने कौशल विविधीकरण और कौशल वर्धन के बारे में बात की, जो महिलाओं को सफलता हासिल करने में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से व्यावसायिक और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए जाने के लिए कहा ताकि वे अपने करियर व जीवन वृत्ति में सफलता प्राप्त कर सकें।

डॉ सेमवाल ने महिलाओं द्वारा कार्यालय तथा घर में निभाई गई बहुविध भूमिका के बारे में चर्चा की और प्रयोगशाला

में महिलाओं द्वारा दी गई सेवाओं की प्रशंसा की। डॉ सिंह ने महिलाओं द्वारा एस एण्ड टी में दिए गए योगदानों की प्रशंसा की। उन्होंने यह राय व्यक्त की कि पुरुषों और महिलाओं दोनों को कार्यस्थल पर समान अवसर दिए जाने चाहिए।

चार श्रेष्ठ शोधपत्रों (तकनीकी तथा गैर–तकनीकी प्रत्येक से दो) के लेखकों, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–थीम प्रतिस्पर्धा के विजेताओं, और लोगो के डिजाइनर को पुरस्कार प्रदान किए गए। डीआरडीओ सहित पूरी दुनिया से महिला उपलब्धिकर्ताओं पर एक विडियो का प्रसारण किया गया ताकि महिलाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए योगदानों को उजागर किया जा सके। उदघाटन समारोह को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के बाद धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करके समाप्त किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का उदघाटन सुश्री स्मिता एस कामत, अध्यक्ष, महिला कल्याण मंच, डीआरडीओ द्वारा किया गया। मैसूर से सुश्री पदमश्री एवं उनके ग्रुप ने, बेंगलूरु से अंतर्राष्ट्रीय तौर पर प्रख्यात शैडो प्ले कलाकार एवं कथावाचक श्री प्रहलाद आचार्य ने, और कर्नाटक संगीतज्ञ सुश्री एस एश्वर्या एवं सुश्री सौन्दर्य ने तथा बेंगलूरु से सुश्री सुब्बालक्ष्मी की पौत्रियों (ग्रांड डॉटर्स) ने क्रमशः भरतनाट्टयम, शैडो आर्ट शो, और शास्त्रीय गीतों के साथ एक मंत्रमुग्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित किया। श्रीमती सुमिता कामत ने कलाकारों का अभिवादन किया।

प्रतिभागियों के लिए चामुंडी विहार स्टेडियम में 14 मार्च 2023 को एक विशाल योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। मैसूर में श्री राघवेन्द्र योग केंद्र से योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न आसनों में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 समारोह में जाने–माने वार्ताकारों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान दिए गए। पुरस्कार विजेताओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए और उसके बाद एक पूर्णकालिक सत्र आयोजित किया गया जिसमें डॉ अल्का चटर्जी, वैज्ञानिक 'जी', डेबेल, बेंगलूरु, प्रोफेसर इंदिरा रामाराव, समृद्धि फाउंडेशन, मैसूर, और सुश्री नंदिता शर्मा, जैविक टेक वेलनेस सॉल्यूशन्स प्रा0 लि0 के फाउंडर तथा ऐमे ऑर्गेनिक्स ने समन्वय किया। सत्र बहुत ही प्रभावशाली रहा, जिसमें महिलाओं द्वारा कार्यालयों में सामना की गई विभिन्न चुनौतियों तथा उक्त चुनौतियों से कैसे निपटा जाए, इस पर चर्चा की गई।

डीआरडीओ मुख्यालय में समारोहों के अलावा, निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपने–अपने परिसरों व स्थानों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन किया।

एसीईएम, नासिक

उन्नत ऊर्जा सामग्री केंद्र (एसीईएम), नासिक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन 15 मार्च 2023 को किया। डॉ सुवर्णा तामबाडे, एमबीबीएस, डीएनबी, और धर्मों के एक प्रसिद्ध वार्ताकार को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि, श्री टी वी जगदीश्वर राव, जीएम, एसीईएम, एवं सुश्री लुब्ना ख़ान, वैज्ञानिक 'ई' उपाध्यक्ष, एसीईएम, महिला प्रकोष्ठ ने किया। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को स्वयं के बारे में अपने मनोवृत्ति को बदलना चाहिए तथा सकारात्मक सोच, स्व–प्रशंसा, स्व–स्वीकार्यता का भाव रखना चाहिए, उन्हें स्वयं की देखभाल करने से आत्मसम्मान प्राप्त होगा, क्योंकि उन्हें कई सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। श्री राव ने जीवन के अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका तथा अनेक भूमिकाओं में विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाने में महिलाओं के नैसर्गिक प्रबंधकीय कौशलों के बारे में चर्चा की। उन्होंने महिलाओं से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 की थीम, डिजिट ऑल, एवं स्मृति पर फोकस करने का आवाहन किया, जो उनके सशक्तिकरण की सुनिश्चितता करेगी। कार्यक्रम के दौरान अनेक गतिविधियां चलाई गईं, और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त किए।

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन 15 मार्च 2023 को किया। डॉ बी एच वी एस नारायण मूर्ति, डीजी (एमएसएस); श्रीमती बी अरूणा, मिसाइल कॉम्प्लेक्स की प्रथम महिला; डॉ एम राम मनोहर बाबू, निदेशक, एएसएल; श्रीमती एम ऊषा रानी, एएसएल की प्रथम महिला; श्रीमती लता, विरिंची हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि; सुश्री मालावथ पूर्णा, पर्वतारोही सात पर्वत; और श्रीमती आर शीना रानी, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, समारोह में उपस्थित थे।

कार्यशाला एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ डीजी (एमएसएस) द्वारा किया गया। स्वागत संबोधन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष द्वारा दिया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि बराबरी को आत्मसात करना ही समानता प्राप्त करने का मार्ग है। अपने संबोधन में, डॉ मूर्ति ने मिसाइल कॉम्प्लेक्स में शीर्ष पदों पर विराजमान महिला वैज्ञानिकों के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की और जीवन के सभी पहलुओं, यथा सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, इत्यादि में लैंगिक समानता की महत्ता पर जोर दिया। श्रीमती माधवी लता ने 'सनातन धर्म कार्यान्वयन का आधुनिक मार्ग' पर अपने भाषण से श्रोताओं का मन मोह लिया। सुश्री मालावथ पूर्णा ने ''प्रथम उपायः हमेशा सफलता का मार्ग' अर्थात 'फर्स्ट स्टेपः एल्वेज द् डोर टू सक्सेस' पर अपने भाषण से श्रोताओं को एक सूत्र में बांध दिया।

कैब्स, बेंगलूरु

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलूरु ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 17 मार्च 2023 को किया। डॉ के राजालक्ष्मी मेनन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, कैब्स को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने श्रोताओं को संबोधित किया तथा कैब्स के सभी महिला कर्मियों को अपने कार्य क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समानता तथा समकक्षों को सहायता देने से निर्धारित लक्ष्य हासिल होते हैं। डॉ सुहानी कवि (एमबीबी) को महिला स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर एक वार्ता की प्रस्तुति करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित अनेक मुद्दों पर बात की और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के तरीके बताए। जैसा कि एक परंपरा बन चुकी है, इस वर्ष भी कैब्स की महिलाओं ने एक मानवीय कार्य में तहे दिल से योगदान दिया। केम्पापुरा, बेंगलूरु के राजकीय प्राथमिक विद्यालय के लिए रु 38,149/- के दान का उपयोग किया गया। निदेशक, कैब्स, वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों, और महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों ने एक प्रिंटर एवं मैट के साथ 35 विद्यालयी छात्रों को लेखन सामग्री किटें तथा स्कूल बैग वितरित किए।

इसके अतिरिक्त, कई अन्य खेल आयोजित किए गए, जिनमें श्रेष्ठ प्रतियोगिता थी 'बेस्ट ऑउट ऑफ वेस्ट'। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपना कौशल प्रदर्शित किया।

केयर, बेंगलूरु

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबाटिकी (केयर), बेंगलूरु ने 10 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन किया।

श्रीमती अनुराधा मुरलीमोहन, ओपन स्कूल बीईएमई में कार्यरत शिक्षाविद, को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्रीमती देसीराजू पदमा, वैज्ञानिक 'जी', अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ, केयर, ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डॉ सुब्रता रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर ने श्रोताओं को संबोधित किया और एक बेहतर भविष्य बनाने में महिलाओं की महत्ता के बारे में चर्चा करके उन्हें प्रोत्साहित किया। श्रीमती मुरली मोहन ने बीईएमई स्कूल में अपने अनुभवों को साझा किया, जहाँ बच्चे स्वंय के शिक्षण को निदेशित करते हैं। इस अवसर पर, कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए और महिला कर्मियों की बुद्धिमता व कौशलों को श्रीमती सावित्रीबाई फुले (जिन्होंने भारत में महिलाओं के अधिकारों में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके कारण उन्हें भारत की महिलाओं के आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है) के जीवन इतिहास को याद करते हुए एक नाटक सहित प्रदर्शित किया गया।

सीएएस, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 9 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन किया। कार्यक्रम का उदघाटन श्री बी वी पापा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस ने श्रीमती एम ब्रिंदा, प्रभागीय अभियंता, टीएस ट्रांस्को, और सीएएस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया। उदघाटन सत्र में श्रीमती सुरेखा, अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ ने भाषण दिया जिसमें उन्होंने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक उपलब्धियों को मान्यता देने की महत्ता को उजागर किया। श्रीमती ब्रिंदा ने 'महिला सशक्तिकरण' पर श्रोताओं को संबोधित किया। निदेशक, सीएएस ने महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका तथा समाज के विकास व उत्थान में उनके योगदानों को उजागर किया, और उन्होंने यह आवाहन किया कि प्रत्येक महिला को समाज के प्रति सक्रियता से योगदान देना चाहिए तथा ऐसा करने में हर मुश्किल को पार करना चाहिए। डॉ स्वर्णा कुमारी ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने इस आवश्यकता पर जोर दिया कि महिलाओं को अनेक रोगों से संबद्ध जोखिम कारकों के बारे में तथा नियमित शारीरिक जांचों एवं स्वस्थ जीवन शैली की महत्ता के बारे में जागरुक होना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे चिकित्सा जांच करवाने में कभी भी देरी न करें और अपने स्वास्थय एवं कल्याण को प्राथमिकता दें।

कैसडिक, बेंगलूरु

युद्धक विमान प्रणालियां एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलूरु ने 10 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन किया। समारोह के लिए कैसडिक में चिन्हित की गई थीम थी, 'महिला इंस्पायर (प्रभुत्व के साथ अहिंसा का मार्ग चुनना और समानता के अधिकार को जुनून के साथ पदार्पित व इंट्रोड्यूस करना)'। श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी', केंद्र प्रमुख, कैसडिक; सुश्री सुसन बैरीड, प्रिंसिपल, राष्ट्रीय उद्यमशीलता केंद्र (एनसीएफई), बेंगलूरु, को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सुश्री आर पिटचामल, वैज्ञानिक 'जी', संयुक्त केंद्र प्रमुख; और सुश्री एस सर्ला, वैज्ञानिक 'एफ', महिला प्रकोष्ठ सदस्य, भी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री दुर्गा प्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की और सभा को संबोधित किया, जिसके बाद सुश्री सुसन बैरीड द्वारा एक प्रेरणादायी वार्ता की प्रस्तुति की गई।

डीजी (एसीई), पुणे

डीजी (एसीई), पुणे ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन एक सेमिनार 'डिजिटल इंडिया–डिजिटल दुनिया में महिलाएं' के साथ 8 मार्च 2023 को किया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि, डॉ एस वी गडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (एसीई), सम्मानित अतिथि; सुश्री प्रीति पाटिल, आईबीएम सिक्योरिटी, पुणे में वरिष्ठ तकनीकी स्टाफ सदस्य, और अन्य महानुभाव ने किया। उदघाटन संबोधन श्रीमती मीरा जायन, एओ द्वारा डीआरडीओ में महिलाओं की स्थिति पर कुछ टिप्पणियों के साथ किया गया, जिसके बाद श्रीमती श्रीरंजीनी विनोज, एसीओ, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम पर संबोधन दिया। डॉ गडे ने महिलाओं द्वारा अपने घर, कॉरपोरेट वर्ल्ड और दुनियाभर में बदलते परिदृश्य में अदा की गई महत्वपूर्ण भुमिका के बारे में चर्चा की। इसके उपरांत आयुध एवं युद्धक अभियांत्रिकी (एसीई) प्रणालियों के लिए क्लस्टर के वार्षिक सोवनियर 2022 को विमोचन किया।

सुश्री पाटिल ने एक वार्ता की प्रस्तुति की जिसमें उन्होंने डिजिटल दुनिया में मौजूद विभिन्न जोखिमों पर बात की। कार्यक्रम का समापन डॉ एस सी भट्टाचार्य, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (प्रशासन) द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोजन 20 मार्च 2023 को किया। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि सुश्री यू जेया सांथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली ने डीआरडीओ महिला समुदाय द्वारा रक्षा आर एण्ड डी में आत्मनिर्भरता को संबल प्रदान करने में निभाई गई भूमिका पर विशेष रूप से बात की। डॉ के रामचन्द्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआईपीआर ने महिला वैज्ञानिकों एवं अनुसंधानकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की और उन्हें व्यावसायिक एवं निजी कार्यक्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। औपचारिक कार्यक्रम के उपरांत प्रतियोगिताएं एवं खेल आयोजित किए गए जिनमें संस्थान के सभी महिला सदस्यों ने भाग लिया।

डीआरएल, तेजपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 के भाग के रूप में, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर के महिला प्रकोष्ठ ने 14 मार्च 2023 को एक कार्यशाला 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, रसायन विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय के प्रो0 नशरीन एस इस्लाम मुख्य वार्ताकार एवं मुख्य अतिथि थे। डीआरएल, डीजीआरई, एओ (आर एण्ड डी) तथा ईएमयू के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने जीवन साथियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। सभी शोधार्थियों, प्रशिक्षणार्थियों, और संविदा स्टाफ सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ देव व्रत कम्बोज, निदेशक, डीआरएल ने '# एम्ब्रेस इक्विटी' अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 के अभियान के शीर्षक पर एक वार्ता की प्रस्तुति की। उन्होंने सभी के लिए अवसरों से परे समान रूप से कार्रवाई की महत्ता पर जोर दिया। प्रो0 इस्लाम ने महिलाओं के संघर्षों के साथ–साथ उनकी उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सामूहिक कार्रवाई के द्वारा 'डिजिट ऑल' पर बात की। उन्होंने अपने स्वयं के अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम को रंगारंग एवं सजीव सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समाप्त किया गया।

डीआरएल, तेजपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२३ समारोह

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोजन 14 मार्च 2023 को किया। प्रो0 चित्रा अनंत, वरिष्ठ वॉलेंटियर फैकल्टी, आर्ट ऑफ लिविंग, तेलंगाना को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ टीके नंदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक, श्री रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष, निर्माण कार्य समिति; श्रीमती अजंली कुमारी, वैज्ञानिक 'डी' एवं संयोजक, महिला प्रकोष्ठ; श्री के श्रीकांत गौडा, अध्यक्ष, डीईएफ मैटलैब कामगार राष्ट्रीय यूनियन तथा श्री राजू, उपाध्यक्ष, निर्माण कार्य समिती भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

उदघाटन समारोह के दौरान, डॉ नंदी ने श्रोताओं को संबोधित किया और पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाने की महत्ता को उजागर किया। प्रो0 अनंत ने 'दबाव प्रबंधन, योग और ध्यानयोग पर एक सत्र के साथ उच्च दबाव चक्र को समाप्त करना' पर एक परस्पर संवादात्मक सत्र की प्रस्तुति की। इस सत्र में, उन्हांने दबाव प्रबंधन के लिए विभिन्न तकनीकों के बारे में बात की। सुश्री मीना कुमारी, महिला प्रकोष्ठ सह–संयोजक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

डीएसपी, हैदराबाद

विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी), हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोज 20 मार्च 2023 को किया। कार्यक्रम श्रीमती बी रुकमणि, वैज्ञानिक 'एफ', समूह प्रमुख, एचआरडी, केसी एवं प्रमुख एसक्यूएजी द्वारा दिए गए एक स्वागत संबोधन के साथ शुरु हुआ। उन्होंने वर्ष की थीम 'डिजिट ऑलः इनोवेशन ऐंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वेलिटी' एवं '#एम्ब्रेस इक्विटी' के बारे में बताया। आमंत्रित अतिथि श्रीमती चित्रा अनंत, शिक्षक, आर्ट ऑफ लिविंग ने

फास्ट ट्रैक निर्देशित ध्यान योग के साथ कार्यक्रम का उदघाटन किया। सम्मानित अतिथि, श्रीमती शीना रानी, वैज्ञानिक 'एच' एवं संयुक्त निदेशक एएसएल, कार्यक्रम निदेशक, एजीएनआई ने यह बताया कि आत्मनिर्भर रहकर महिलाओं को समाज में उसी तरह का मान–सम्मान प्राप्त होगा, जैसा कि पुरुषों को होता है। मुख्य अतिथि, सुश्री सौम्या किदाम्बी, आईएएस, निदेशक, सामाजिक लेखापरीक्षा जवाबदेही और पारदर्शिता सोसायटी (एसएसएएटी), तेलंगाना एवं आंध प्रदेश सरकार ने समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने में माताओं की भूमिका तथा शिक्षा की महत्ता को उजागर किया। डीएसपी के निदेशक,

डॉ पीएसआर श्रीनिवास शास्त्री तथा डॉ अनुपम शर्मा, संयुक्त निदेशक, डीएसपी, श्रीमती रानी सुरेन्द्र, वैज्ञानिक 'जी' एवं परियोजना निदेशक, एनवेशा ने सभा व श्रोताओं को संबोधित किया।

सुश्री सुमन अग्रवाल, वैज्ञानिक 'एफ', जिन्होंने मैसूर में डीआरडीओ आईडब्ल्यूडी 2023 में सर्वश्रेष्ठ तकनीकी शोधपत्र के लिए पुरस्कार प्राप्त किया, का भी इस अवसर पर अभिवादन किया गया।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), और संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन (आईटीएम) ने इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स, संचार, और प्रौद्योगिकी प्रबंधन से संबंधित प्रौद्योगिकियों में महिला कर्मियों के योगदानों की याद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोजन 17 मार्च 2023 को किया। कार्यक्रम का आयोजन आईआरडीई में किया गया, जहाँ डीआरडीओ की तीन भिन्न प्रयोगशालाओं से महिलाएं एक मंच पर साथ आईं।

कार्यक्रम का शीर्षक था 'डिजिट ऑलः इनोवेशन ऐंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वेलिटी', जो डिजिटल समावेशन तथा लैंगिक समानता की महत्ता के बारे में जनजागृत्ति फैलाने की दिशा में था।

डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (ईसीएस) इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रो0 जय चतुर्वेदी, एमबीबीएस, एमएस एवं डीन अकादमिक, एआईआईएमएस, ऋषिकेश को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ अजय कुमार, निदेशक आईआरडीई ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो0 जया चतुर्वेदी उत्तरांचल प्रसूति एवं स्त्रीरोग सोसायटी एवं एफओजीएसआई, देहरादून शाखा, और एफओजीएसआई की जगदेश्वरी मिश्रा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं। उन्होंने लैंगिक निष्पक्षता के विपरीत लैंगिक समानता की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने एक विचारप्रेरक वार्ता की प्रस्तुति की जिसमें उन्होंने महिलाओं के समक्ष प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को उजागर किया। इस सूचनाप्रद वार्ता से सभी कर्मी लाभान्वित हुए।

डॉ बी के दास ने श्रोताओं को संबोधित किया तथा महिलाओं द्वारा कार्यस्थल और घर पर दिए गए योगदानों को रेखांकित किया। उनका संदेश सभी श्रोताओं के दिल को छू गया। श्री एल सी मंगल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डील, ने सभा व श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने भविष्य के निर्माण में महिलाओं की भूमिका को उजागर किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने सफलता हासिल करने में महिलाओं के योगदानों के बारे में चर्चा की।

इस समारोह व कार्यक्रम ने तीन अग्रणी प्रयोगशालाओं के एक परिवार के रूप में एकीकरण की झलक प्रस्तुत की तथा कार्यस्थल पर घनिष्ठता के संदेश को आत्मसात कराया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 6 और 8 मार्च 2023 को बड़े ही उत्साह एवं प्रसन्नता के साथ मनाया गया। डॉ उज्वला चक्रदियो, कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान थीं। उन्होंने लैंगिक समानता पर बात की तथा इस परिप्रेक्ष्य में एक बदलाव लाने में महिलाओं द्वारा अहम भूमिका निभाने की बात की। इस अवसर पर, डॉ पुर्बी गराई, वैज्ञानिक 'डी', एचईएमआरएल, पुणे द्वारा 'महिला विकासः प्रगति के लिए उत्प्रेरक' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके उपरांत, श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 की थीमः 'डिजिट ऑलः इनोवेशन ऐंड टेक्नोलॉजी

आईआरडीई, देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२३ समारोह

फॉर जेंडर इक्वेलिटी' को कवर किया। निजी देखभाल और टीम निर्माण के संबंध में विभिन्न प्रक्रियाओं पर चर्चा करने हेतु, महिला कर्मचारियों के लिए 8 मार्च 2023 को एक कार्यशाला 'तवस्या' का अयोजन किया गया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोजन 8 मार्च 2023 को किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, श्रीमती हेमा एम, वैज्ञानिक 'जी' एवं समन्वयक, महिला प्रकोष्ठ ने मुख्य अतिथि एवं श्रोताओं का स्वागत किया। श्री एम सुरेश, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक (प्रणाली), एनपीओएल ने अपने संबोधन में महिलाओं के लिए आर्थिक तथा सामाजिक कल्याण मोर्चों, दोनों पर बराबरी के अवसरों की महत्ता पर बल दिया, ताकि समाज में असमानता कम हो।

इस अवसर पर डॉ मैरी मतिल्दा पीवी, पूर्व प्राचार्य, महाराजा महाविद्यालय, कोच्चि तथा एक विख्यात शिक्षाविद, लेखिका, और प्रशिक्षिका की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढाई, ईन्होंने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी की खराब स्थिति को उजागर किया तथा पारंपरिक नियमों में बदलाव लाने में महिलाओं के प्रयासों के संबंध में दुविधा व असमंजस का भी उल्लेख किया। उन्होंने जोर दिया कि महिलाएँ किसी प्रभावशाली बैनर के तले रहे बिना पुरुषों के साथ बराबर कार्य कर सकती हैं। उनके संबोधन को महिलाओं व पुरुषों दोनों ही श्रोताओं ने सराहा। इसके उपरांत एक पारस्परिक संवाद सत्र का आयोजन किया गया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2023 का आयोजन 9 मार्च 2023 को किया जिसमें एनएसटीएल के महिला कर्मियों तथा पुरुष कर्मियों के जीवन साथियों ने सक्रियता से भाग लिया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि एवं गणमान्य अतिथियों, डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, और श्रीमती एम सुजाता, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समिति–2023 ने औपचारिक रूप से किया।

श्रीमती सुजाता ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को एक संक्षिप्त सारॉंस, उसकी पृष्ठभूमि, और विकास का विंहावलोकन प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में, डॉ राव ने एनएसटीएल की उन महिला कर्मियों की सराहना की जो कार्यालय के निर्धारत समय सीमा से भी अधिक समय तक कार्य करती हैं। उन्होंने प्रत्येक महिला की तुलना देवी दुर्गा से करते हुए अपनी चर्चा संपन्न की। अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि, श्रीमती एस सिरिशा, एसीपी हार्बर, विशाखापत्तनम ने अर्द्ध नारीश्वर तत्व के साथ लैंगिक समानता के सिद्धांत के बारे में बताया।

अपने संबोधन में, सम्मानित अतिथि, डॉ श्रुति तिवारी, प्रोफेसर, आईआईएम, इंदौर ने 'लैंगिक समानता के लिए नवोन्मेष एवं प्रौद्योगिकी' पर एक अंर्तदृष्टिपूर्ण वार्ता की प्रस्तुति की। गणमान्य अतिथियों ने महिला उपलब्धिकर्ताओं, 'गुणा प्रवलिका वुप्पला', राष्ट्रीय स्केटर, और कुचिपुड़ी नर्तक को सम्मानित किया। इस अवसर पर, एनएसटीएल महिला कर्मियों और एमकेएम सदस्यों ने एक वृद्धावस्था गृह 'मनाकुटुम्बम' के लिए तथा 15 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से संबंधित एक अनाथालय 'मनासु', प्रत्येक के लिए रु 10,000/ का संयुक्त रूप से अनुदान दिया और केयर ऐंड लव चिल्ड्रन वेलफेयर सोसायटी की संस्थापक श्रीमती हाइमावती पतिना को भी रु 13,000/ का अनुदान दिया।

गढ़वाल रायफल्स रेजिमेंटल सेंटर को सौंपा गया ओरवास (ओआरवीएएस)

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) ने गढ़वाल रायफल्स रेजिमेंटल सेंटर (जीआरआरसी), लैंसडाउन में छः वर्टिकल्स, नामतः, टोही एवं निगरानी, सिग्नल, टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल (एटीजीएम), घातक, मोर्टार, और असॉल्ट वर्टिकल्स के आवंटन के लिए अन्य रैंक वर्टिकल आवंटन प्रणाली (ओरवास–1.0) को विकसित एवं मानकीकृत किया।

ओरवास एक पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकृत बुद्धिमता वाली बैटरी है, जो नए भर्ती किए गए लोगों को, किसी व्यक्ति विशेष वर्टिकल के लिए अपेक्षित कौशलों के साथ किसी व्यक्ति की योग्यताओं की मैचिंग करके तथा उनकी बुद्धि के अनुसार उन्हें वर्टिकल्स का आवंटन करने में उपयोगी होगी। फील्ड परीक्षणों की एक श्रृंखला तथा जीआरआरसी, लैंड्सडाउन में निरंतर प्रयोक्ता इंटरेक्शन्स के आधार पर, ओरवास विकसित किया गया जिसमें सात परीक्षण सन्निहत हैं, जो डेप्थ पर्सेप्शन, एग्जयूक्टिव फंक्शन, सिमलटेनियस प्रोसेसिंग, ऑब्जेक्ट असेम्बली, मैप रीडिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी, और स्पेशियल ओरिएंटेशन का निर्धारण

करते हैं।

जीआरआरसी में भर्तियों के डेटा के आधार पर, सभी परीक्षणों को मनोमितीय रूप से विकसित किया गया है। अंतिम ओरवास रिपोर्ट जीआरआरसी में प्रत्येक वर्टिकल के लिए सभी भर्तियों की मेरिट सूची प्रदान करती है। ओरवास–1.0 पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण डॉ गुरुप्रतीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ', प्रधान अन्वेषक द्वारा दिया गया।

यह प्रणाली (ओरवास–1.0) 22 मार्च 2023 को डीआईपीआर, दिल्ली में गढ़वाल रायफल्स रेजिमेंटल केंद्र (जीआरआरसी) को सौंपी गई, जब डॉ के रामचन्द्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआईपीआर; डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी' एवं परियोजना निदेशक तथा डीआईपीआर के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे।

डीआरडीओ एवं नौसेना द्वारा नौसेना प्लेटफॉर्म से बीएमडी इंटरसेप्टर का सफल परीक्षण

डीआरडीओ एवं भारतीय नौसेना ने बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट के पास 21 अप्रैल 2023 को एक समुद्र आधारित एंडो–एटमोसफेरिक इंटरसेप्टर मिसाइल का प्रथम उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया। इस परीक्षण का उद्देश्य किसी शत्रु पक्ष प्राक्षेपिक मिसाइल खतरे से निपटना एवं उसे ध्वस्त करना और उसके परिणामस्वरूप भारत को नौसेना बीएमडी क्षमता वाले राष्ट्रों के विशिष्ट क्लब में शुमार करना है।

इससे पहले, डीआरडीओ ने एक भू–आधारित प्राक्षेपिकी मिसाइल प्रतिरक्षा (बीएमडी) प्रणाली को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया, जो शत्रु पक्ष से आने वाले प्राक्षेपिक मिसाइल खतरों को ध्वस्त करने की क्षमता रखती है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पोत आधारित बीएमडी क्षमताओं के सफल प्रदर्शन से जुड़े उद्योग, भारतीय नौसेना तथा डीआरडीओ को बधाई दी।

सचिव डीडीआर एण्ड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, डॉ समीर वी कामत ने मिसाइल के अभिकल्पन एवं विकास से जुड़ी टीमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ने उच्च क्षमता वाली नेटवर्क केंद्रित प्राक्षेपिक रोधी मिसाइल प्रणालियां विकसित करने में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह -2023 समारोह

एडीई, बेंगलूरु

वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई), बेंगलूरु ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह (एनएसडब्ल्यू) का आयोजन 4–11 मार्च 2023 के दौरान किया। समारोह के दौरान, सभी कर्मचारियों को श्रेष्ठ औद्योगिक सुरक्षा रीतियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। श्री नवनीत मोहन, संयुक्त निदेशक, कारखाना, बॉयलर, और औद्योगिकी सुरक्षा विभाग, बेंगलूरु कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने वर्ष की थीम 'हमारा लक्ष्य–शून्य नुकसान' को ध्यान में रखते हुए एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। निदेशक, एडीई ने अपने संबोधन में सुरक्षा रीतियों की महत्ता और किसी संगठन में, जहाँ बहुआयामी क्रियाकलाप संचालित किए जाते हैं, उनकी भूमिका के बारे में बताया।

एडीई के विभिन्न केंद्रों और प्रभागों को सुरक्षा पोस्टर एवं सुरक्षा चिकित्सा प्राथमिक चिकित्सा किटें वितरित की गईं। एडीई परिवार के सदस्यों के लिए एक सुरक्षा सप्ताह प्रतियोगिता आयोजित की गई ताकि श्रेष्ठ सुरक्षा परंपराओं, डीआरडीओ की सुरक्षा नीतियों, आदि के बारे में जागरुकता फैलाई जा सके। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

केयर, बेंगलूरु

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलूरु ने सुरक्षा उपायों में लंबा अनुभव रखने वाले दो महानुभावों: डॉ अनिल कुमार पी ग्रामपुरोहित, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, बेंगलूरु यातायात पुलिस, और डॉ सुमन वाई, वरिष्ठ परामर्शदाता, कम्यूनिटी मेडिसीन, बीजीएस ग्लेनीग्लस ग्लोबल हॉस्पिटल, बेंगलूरु को आमंत्रित करके एनएसडब्ल्यू–2023 का आयोजन किया। श्रीमती देसीराजू पदमा, वैज्ञानिक 'जी', अध्यक्षा, सुरक्षा समिति ने अपने संबोधन में कार्यालयी परिसरों के भीतर तथा बाहर, दोनों में हमारे दैनिक जीवन में सुरक्षा की महत्ता पर जोर दिया।

डॉ सुब्रता रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर ने श्रोताओं को संबोधित किया और हमारे दैनिक जीवन में सुरक्षा. संबंधी पहलुओं का अनुसरण करने की आवश्यकता की समीक्षा करते हुए केयर से संबद्ध सुरक्षा पहलुओं पर बात की।

डॉ ग्रामपुरोहित ने एक विडियो साझा करके अपनी बात शुरु की जिसमें दिखाया गया कि सड़क पर एक छोटी सी गलती के कारण एक दुर्घटना हो गई थी। उन्होंने इस बात पर काफी बल दिया कि सड़क पर दुर्घटना होने में एक सैकंड से भी कम समय लगता है। डॉ अनिल ने यह सुझाव दिया कि छोटी सी दूरी के परिवहन के लिए भी दोपहिए वाले वाहन को चलाते हुए आईएसआई मार्क हेल्मेट अवश्य पहनना चाहिए।

कैसडिक, बेंगलूरु

युद्धक विमान प्रणाली डिजाइन एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलूरु ने एनएसडब्ल्यू 2023 का आयोजन 6–10 मार्च 2023 के दौरान किया जिसका शीर्षक था 'हमारा लक्ष्य–शून्य नुकसान'। डॉ सी श्रीरामा, तकनीकी अधिकारी 'बी', अधिकारी प्रभारी, सुरक्षा प्रभाग ने 'सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। समारोह के शीर्षक को चुनने का उद्देश्य कैसडिक के कार्मिकों को कार्यस्थल पर व्यावसायिक स्वास्थ्य की महत्ता तथा जान–माल की सुरक्षा के बारे में प्रोत्साहित करना था। व्याख्यान के दौरान कैसडिक में उपलब्ध अग्निशमन सुरक्षा प्रणाली, किसी भी आपातकालीन स्थिति में समय पर कार्रवाई करने की महत्ता, और व्यक्तिगत लोगों की भूमिकाएं एवं जिम्मेदारियां, सुरक्षा समन्वयक, आदि के बारे में जागरुकता प्रसारित की गई। कैसडिक के पदाधिकारियों के हित में, निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) भी प्रदर्शित किए गए।

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ में 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2023 का आयोजन 4–10 मार्च 2023 के दौरान किया गया ताकि वैज्ञानिक संगठन में, विशेष रूप से डीजीआरई के संदर्भ में, कार्य कर रहे कर्मियों में विभिन्न सुरक्षा एवं विश्वसनीयता पहलुओं के बारे में जागरुकता फैलाई जा सके। सप्ताह के दौरान, 'उच्च तुंगता वाले क्षेत्रों में सुरक्षा पहलु' पर पोस्टर बनाना, और एक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। डीजीआरई के कर्मियों द्वारा एक छद्म आकस्मिकता निर्वातन अभियान अथवा मॉक कंटिजेंसी इवेकुवेशन ड्रिल चलाई गई। अग्रणी अग्निशमन व्यक्ति अथवा लीडिंग फायरमैन (एलएफएम), श्री सुरजीत एवं श्री अमर मलिक ने पोर्टेबल अग्निशामक निर्वापकों (इक्स्टिंगविश्र) एवं हायड्रेंट प्रणालियों के साथ अग्निशमन

पर एक व्यावहारिक प्रदर्शन सहित अग्नि सुरक्षा पर एक वार्ता की प्रस्तुति की गई। डीजीआरई के कर्मियों ने सभी आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। विजेताओं तथा उप–विजेताओं को डॉ पिनाकी रॉय चौधरी, संयुक्त निदेशक, डीजीआरई द्वारा 10 मार्च 2023 को पुरस्कार वितरित किए गए।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आरआरडीई), देहरादून ने एनएसडब्ल्यू का आयोजन 4–10 मार्च 2023 के दौरान किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने एक सप्ताह लंबे कार्यक्रम का उदघाटन किया। डॉ आर के भारद्वाज, वैज्ञानिक 'एफ', रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने आईआरडीई कर्मियों को औद्योगिक एवं आग के खतरों तथा प्रशमन तकनीकों के बारे में सुग्राह्य करने हेतु 6 मार्च 2023 को एक व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने औद्योगिकी एवं आग के खतरों के कारणों तथा आग लगने की घटनाओं के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, उसके बारे में बताया। उन्होंने आग लगने की घटना के दौरान अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में भी बताया।

डॉ अजय कुमार ने सुरक्षा के मामले को बहुत ही गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि सभी कर्मी सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करें। 10 मार्च 2023 को एक अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन/ड्रिल चलाई गई। प्रदर्शन के दौरान, एक अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी ने विभिन्न प्रकार के एक्स्टिंगिसर की श्रेणी एवं उनके उपयोग के बारे में बताया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 4–10 मार्च 2023 के दौरान बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निदेशक, एनएमआरएल द्वारा कर्मियों को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की शपथ दिलाई गई। श्री आलोक श्रीवास्तव, वैज्ञानिक अधिकारी 'एच', प्रमुख, औद्योगिक हाइजीन एवं सुरक्षा अनुभाग, बार्क मुंबई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने 'कार्यस्थल में सुरक्षा पर मानव कारकों का प्रभाव' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर एनएमआरएल के कर्मियों के लिए 'कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य' शीर्षक के साथ एक पोस्टर तथा स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यस्थल में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा रीतियों का अनुपालन करने के लिए तकनीकी प्रभाग श्रेणी के अंतर्गत मैरीन बायो टेक्नोलॉजी (एमबीटी) विभाग को सुरक्षा अनुपालन–सर्वश्रेष्ठ विभाग ट्रॉफी–2022 प्रदान की गई।

इसी संबंध में गैर.तकनीकी श्रेणी के तहत 'प्रशासन एवं लेखा समूह' को भी एक रोलिंग ट्रॉफी प्रदान की गई।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने अपने कर्मियों के मध्य सुरक्षा के बारे में जागरुकता सृजित करने हेतु 52वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन 6 मार्च 2023 को कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ किया। कार्यक्रम को वरिष्ठ तकनीशियन द्वारा ध्वज फहराने के साथ शुरु किया गया। तदुपरांत, एनपीओएल स्टाफ सदस्यों ने सुरक्षा शपथ ली।

शपथ कार्यक्रम का नेतृत्व श्री अरूण के, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्ष सुरक्षा समिति ने डॉ अजीत कुमार के, निदेशक, एनपीओएल की उपस्थिति में किया। तत्पश्चात, अग्निशमन पर एक लाइव प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। श्री सुमोद टीएम, केंद्र अधिकारी ने आग की विभिन्न श्रेणियों तथा अग्निशमन निर्वापकों के बारे में कर्मियों को जानकारी प्रदान की।

10 मार्च 2023 को समारोह संपन्न करने के दिन, श्री के एस हरीकुमार, प्रबंधक (सेवानिवृत्त) अग्निशमन एवं सुरक्षा, फैक्ट, उद्योगमंडल, केरल ने एक विस्तृत सुरक्षा जागरुकता वार्ता प्रस्तुत की। वार्ता के उपरांत, श्री आर पी राजू, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा सुरक्षा संबंधी विषयों पर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। श्री सुरेश एम, वैज्ञानिक 'एच' एवं कार्यवाहिक निदेशक, एनपीओएल ने सुरक्षा सप्ताह प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

कैब्स, बेंगलूरु

डॉ आर रामकुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलूरु में 2 मार्च 2023 को एनएसडी समारोह के दौरान 'मेसिव मिमो, रिकन्फिगरेबल इंटेलिजेंट सरफेस, ऐंड बियॉन्ड एडवांसिस एप्लीकेशन्स ऐंड फ़ीचर्स' पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एनएसडी)–2023 वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, कैब्स से एनएसडी प्रमाणपत्र तथा एक पदक प्राप्त किया।

केयर, बेंगलूरु

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलूरु ने एनएसडी–2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया। श्री दिनाकारा के, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्ष, एनएसडी संयोजक समिति ने केयर के स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया तथा इस कार्यक्रम की ऐतिहासिक महत्ता तथा इस वर्ष के समारोह के लिए थीम के बारे में बताया। डॉ केशव कुमार जे, प्रोफेसर एवं परामर्शदाता, स्नायु वैज्ञानिक.मनोवैज्ञानिक (न्यूरोसाइकोलोजिस्ट), निम्हांस, बेंगलूरु इस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

डॉ सुब्रता रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर ने श्रोताओं व सभा को संबोधित किया। श्री विक्रम कनोई, वैज्ञानिक 'एफ', जिन्होंने इस वर्ष का विज्ञान दिवस पदक प्राप्त किया था, ने 'एक जटिल सैन्य परिवेश में सूचना प्रणालियों के प्रदर्शन का संवर्धन' पर वक्तव्य दिया।

कैसडिक, बेंगलूरु

युद्धक विमान प्रणालियां एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलूरु ने एनएसडी का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया, इस अवसर पर श्री प्रमोद कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'वायुवाहित मिसाइल चेतावनी प्रणालियां (एमडब्ल्यूएस)' पर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में समकालिक संग्राम परिदृश्य, एमडब्ल्यूएस के प्रकार, मिसाइल खतरों के वर्गीकरण, पेसिव सेंसर प्रौद्योगिकी में उन्नयन, पेसिव एवं सक्रिय एमडब्ल्यूएस के लाभ एवं हानि, प्रोसेसिंग फिलॉस्फी, वैश्विक बाजार में एमडब्ल्यूएस प्रौद्योगिकी, आदि की ईडब्ल्यू श्रृंखला के भाग के रूप में, एमडब्ल्यूएस की भूमिका को कवर किया।

उन्हें श्री चो दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' एवं केंद्र प्रमुख, कैसडिक द्वारा एनएसडी पदक तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया।

डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर ने एन एस डी–2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया। इस अवसर पर, जोधपुर शहर में भिन्न विद्यालयों से 9वीं एवं 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक विज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। 24 भिन्न विद्यालयों से 92 विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। श्री आर वी हरा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएल ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उदघाटन मुख्य अतिथि डॉ ए भगवती राव

डीएल, जोधपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

(पूर्व निदेशक, एल एण्ड आई, डीआरडीओ मुख्यालय) तथा निदेशक, डीएल द्वारा किया गया। डॉ मोहित शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' ने 'छद्मावरण अनुप्रयोगों यानी कैमफ्लाज एप्लीकेशन्स के लिए उभरती सामग्री प्रौद्योगिकियां' पर एनएसडी 2023 वक्तव्य दिया। उन्हें निदेशक, डीएलजे द्वारा डीआरडीओ के पदक एवं प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने एनएसडी–2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया। प्रो0 शमशेर, माननीय कुलपति, हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 'भारत में ऊर्जा सुरक्षा चुनौतियां' पर एक शीर्ष संबोधन दिया। उन्होंने ऊर्जा के गैर नवीकरणीय स्रोतों पर भारत की निर्भरता के बारे में चर्चा की और यह कहा कि भारत को नवीकरणीय स्रोतों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। श्री एएस परिहार, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'प्राक्षेपिक प्रतिरोधी निजी संरक्षण प्रणालियों (पीपीएस) के लिए भावी डिजाइन एवं सामग्रियां' पर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने बीआईएस एवं एनआईजे मानकों के अनुसार बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे) एवं प्राक्षेपिक हेल्मेटों के लिए भावी डिजाइन और सामग्रियों के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर, डॉ मयंक द्विवेदी, निदेशक, डीएमएसआरडीई ने डीएमएसआरडीई स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया और विज्ञान दिवस की महत्ता तथा इसे मनाए जाने की प्रासंगिकता के बारे में बताया।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने एनएसडी का आयोजन 28 फरवरी 2023 को किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रो0 केदार खरे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली थे। उन्होंने 'क्या होलोग्राफिक रिप्ले एक वास्तविक 3डी इमेज उपलब्ध कराती है?' पर एक शीर्ष संबोधन दिया। डॉ निमिश दीक्षित, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई ने 'नॉनलिनियर ऑप्टिकल टेराहर्ट्ज जनरेशन एवं एक्टिव टेराहर्ट्ज इमेजिंग' पर एनएसडी वक्तव्य दिया।

इस शुभ अवसर पर, डॉ अजय कुमार ने डॉ सीवी रमन की स्कैटरिंग ऑफ फोटोन्स, जिसे बाद में 'रमन अफेक्ट' के नाम से जाना गया, की खोज को याद किया। डॉ अजय कुमार ने उत्कृष्टता एवं आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रति आईआरडीई के वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी। कार्यक्रम का आयोजन आईआरडीई विज्ञान मंच द्वारा किया गया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन 28 फरवरी 2023 को बडे उत्साह के साथ किया गया। श्री वी पी देशमुख, वैज्ञानिक 'जी', संयुक्त निदेशक, एनएमआरएल ने श्रोताओं को संबोधित किया। डॉ ए गौरव राव, वैज्ञानिक 'डी' ने 'रक्षा अनुप्रयोगों के लिए ग्रेन रिफाइन्मेंट के द्वारा एल्यूमीनियम, लोहा, और टाइटेनियम.आधारित धातुओं में प्रार्पटी सीमा निर्धारित करना' पर एनएसडी 2023 वक्तव्य दिया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

एनडीएमए द्वारा राष्ट्रीय आपदा अलर्ट पोर्टल 'सचेत' का शुभारंभ

नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्लेटफॉर्म (एनपीडीआरआर) के तीसरे सत्र में, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार, ने 11 मार्च 2023 को राष्ट्रीय आपदा अलर्ट पोर्टल 'सचेत' का शुभारंभ किया।

डॉ पी के मिश्रा, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने श्री नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री, श्री कमल किशोर, भारतीय नौसेना; श्री हितेश कुमार एस मखवाना, एएस (डीएम) एमएचए; तथा श्री अतुल करवाल, डीजी (एनडीआरएफ) की उपस्थिति में पोर्टल का शुभारंभ किया। पोर्टल आपदा देशभर में संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को लक्षित अलर्ट एवं एडवाइजरियां स्थानीय भाषाओं में एसएमएस के जरिए प्रसारित करने के लिए एक अभिसरित अथवा एकीकृत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। यह पूरे भारत में पहला तथा एकमात्र पोर्टल है जिसके माध्यम से चक्रवात, सुनामी, अवधाव, शीत लहरें, गरम लहरें, बाढ़, बिजली गर्जन, भूकंप, भूस्खलन, आग, सूखा, आदि जैसी आपदाओं के लिए आधिकारिक चेतावनियां प्रकाशित की जाती

हैं। 'सचेत' लाइव वर्तमान स्थानों, मौसम, और रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई, डीआरडीओ), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), ईएसएसओ, भारतीय राष्ट्रीय समुद्र सूचना सेवा केंद्र (इनकोइस) तथा भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग (एफएसआई) जैसी अनेक एजेंसियों से देशभर में आपदा सर्तकता उपलब्ध कराता है।

डीजीआरई द्वारा अवधाव एवं मौसम अर्ल्ट तथा पूर्वानुमानों के बारे में सृजित सूचना को इस ऐप में एकीकृत किया जाता है।

डीजीआरई प्रत्यायित आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ को मानक परीक्षण एवं गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी), इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय कार्यालय, भारत सरकार, द्वारा 01 मार्च 2023 से आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्रत्यायित किया गया है, जो जारी की गई तिथि से 3 वर्ष तक वैध है।

डीजीआरई इन मानकों को जियो–इंटेलिजेंस के लिए प्रौद्योगिकियों की आर एण्ड डी तथा भू–खतरों, विशेष रूप से अवधाव, और भू–स्खलन के प्रशमन व न्यूनीकरण के लिए एक प्रभावकारी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से कार्यान्वित करेगा।

डॉ पी के सत्यवली, निदेशक, डीजीआरई ने डीआर एवं क्यूए के प्रमुख और उनकी टीम को बधाई दी तथा प्रमाणन प्राप्त करने में दी गई निरंतर सहायता के लिए डीजीआरई के कर्मचारीगणों एवं अधिकारियों की सराहना की।

STQC Certification Services
Certificate of Registration
ISO 9001 : 2015

राजभाषा संसदीय समिति द्वारा डीएलजे में निरीक्षण

एक छः सदस्यीय राजभाषा संसदीय समिति ने 13 जनवरी 2023 को रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर की राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों का निरीक्षण किया। समिति के अध्यक्ष माननीय श्री भार्तुहरि महताब, संसद सदस्य (लोक सभा) थे। समिति ने प्रयोगशाला द्वारा चलाई जा रही विभिन्न राजभाषा गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा डीएल के पदाधिकारियों के साथ बात की। समिति ने डीएल के प्रयासों तथा गतिविधियों की प्रशंसा की।

अंतर्राष्ट्रीय एसीएल प्रतियोगिता में केयर ने जीता शीर्ष स्थान

केयर–एनएलपी टीम ने एसीएल सेम इवल–2023 टास्क 2: मल्टीलिंग्वल कॉम्प्लेक्स नामक एन्टिटी रिकॉग्निशन (मल्टीकोनेर II) में सहभागिता की। सेम इवल, जो की सिमेन्टिक मूल्यांकन पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला है, संगणनात्मक सिमेन्टिक प्रणालियों के मूल्यांकन की सतत श्रृंखला है। इस कार्यशाला को लेक्सिकॉन ऑफ द् एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स (एसीएल) पर विशेष रुचि समुह द्वारा आयोजित किया गया। इस टास्क ने न्यून संदर्भ वाले इनपुट्स, वाक्य संरचना की दृष्टि से जटिल एवं अनेकार्थी सुक्ष्म प्रविष्टियों, बहु–भाषिक, सीमित प्रशिक्षण डाटा, और शोर उपसमुह के मूल्यांकन के आधार पर नामक इकाई पहचान के लिए महत्वपुर्ण समकालिक चुनौतियों का सामना किया।

विश्व के शीर्ष अनुसंधान संगठनों और विश्वविद्यालयों से कुल 34 टीमों ने 13 ट्रैकों में सहभागिता की। केयर–एनएलपी टीम की एनईआर प्रणाली, जिसने एक बहु–उद्देश्यीय संयुक्त शिक्षण रणनीति अपनाई थी, ने 13 ट्रैकों में से पांच ट्रैकों (बहुभाषिकता, स्पेनिश, फ़ारसी, स्वीडिश, और यूक्रेनी) में दूसरा स्थान तथा तीन ट्रैकों (फ़्रसीसी, इतालवी, और पूर्तगाली) में तीसरा स्थान प्राप्त किया। शोर उपसमुह मूल्यांकन के संबंध में, केयर–एनएलपी टीम ने तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया।

पेटेंट को मंजूरी

भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा डॉ रेजी जॉन, श्री शिव कुमार, श्री पदमाकुमार सीजी, श्री के शाहजहाँ, और डॉ थॉमस डी, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाना (एनपीओएल), कोच्चि को 'क्लोज्ड लूप फीडबैक कंट्रोल्ड सेमी–एक्टिव मैग्नेटोरियोलॉजीकल फ्लूड एंटी–वाइब्रेशन माउंट' के लिए पेटेंट संख्या 416804 को मंजूरी प्रदान की गई है।

एनएसटीएल में जयंती समारोह

महात्मा ज्योती राव फुले की 196वीं जयंती का समारोह

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ ने 11 अप्रैल 2023 को महात्मा ज्योति राव फुले की 196वीं जयंती मनाई। समारोह के उदघाटन के दौरान, श्री चैतन्य सम्राट पडाला, अध्यक्ष, एनएसटीएलए, ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ (ओबीसीईडब्ल्यूए) ने शिक्षा की महत्ता तथा ज्योति राव फुले द्वारा स्वयं के लिए तथा अपनी धर्मपत्नी, श्रीमती सावित्री बाई फुले के लिए शिक्षा प्राप्त करने में सामना किए गए संघर्ष के बारे में चर्चा की।

श्री अर्बन कुमार, अध्यक्ष, एनएसटीएल एससी/एसटी कर्मचारी संघ ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए महात्मा ज्योति राव फुले के जीवन एवं सत्यसोधक समाज, महाराष्ट्र में महार समुदाय के एक संक्षिप्त इतिहास, और और शिवाजी महाराज के शासन में इसकी महत्ता से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बताया।

डॉ बी आर अंबेडकर जयंती समारोह

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 14 अप्रैल 2023 को डॉ बी आर अंबेडकर की जयंती मनाई।

श्री एम नागेश्वर राव, वैज्ञानिक 'एफ' ने कार्यक्रम के दौरान उदघाटन भाषण दिया। श्री यू अर्बन कुमार, वैज्ञानिक 'ई' एवं अध्यक्ष, एनएसटीएल एससी–एसटी कर्मी संघ; और जे एन वर्मा, महासचिव, एनएसटीएल सिविल कर्मी यूनियन ने श्रोताओं व सभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में, गणमान्य अतिथि श्री जदा सर्वण कुमार ने मताधिकार के प्रयोग, राजनीतिक असमानताओं का उन्मूलन, और एक स्वच्छ समाज सृजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मानीय अतिथि डॉ पी रविन्द्र बाबू ने विभिन्न राजनेताओं के साथ अपने अनुभव तथा एससी–एसटी लोग किस प्रकार डॉ अंबेडकर द्वारा किए गए

प्रावधानों से लाभान्वित हो रहे हैं, पर अपने अनुभव साझा किये।

उन्होंने सभी श्रोताओं से डॉ अंबेडकर के अनुयायी बनने तथा सामाजिक असंतुलनों को समाप्त करने का आवाहन किया।

समारोहों को रामनाथ स्कूल, एनएसटीएल के बच्चों द्वारा प्रदर्शित किए गए फैंसी ड्रेस के साथ संपन्न किया।

स्थापना दिवस समारोह

डीएफआरएल, मैसूर

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर ने 15 फरवरी 2023 को अपना 62वां स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया। मुख्य अतिथि, डॉ जी सतीश रेड्डी, रक्षा मंत्री के सुरक्षा सलाहकार (एसए) ने डॉ यू के सिंह, डीजी (एलएस), और डॉ अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल की उपस्थिति में कार्यक्रम का उदघाटन किया। डॉ आर कुमार, संयुक्त निदेशक ने सभी महानुभावों तथा डीएफआरएल के स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया। डॉ सेमवाल ने डीएफआरएल की वर्ष 2022 में आर एण्ड डी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी तथा डीएफआरएल समुदाय से आने वाले वर्षों में कड़ी मेहनत करने तथा अपने अनुसंधान कार्य क्षेत्र में असर डालने का अनुरोध किया। डॉ सिंह ने डीएफआरएल की आर एण्ड डी उपलब्धियों की प्रशंसा की और विभिन्न युद्धास्त्रों, प्लेटफॉर्मों, थिएटर्स, टेराइन, और विशिष्ट मिशनों में सैन्य बलों की खाद्य एवं

लॉजिस्टिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए डीएफआरएल की सराहना की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में, डॉ रेड्डी ने बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के लिए तथा रक्षा सेवाओं को खाद्य एवं लॉजिस्टिक की आपूर्ति के लिए एक विक्रेता आधार सृजित करने के लिए डीएफआरएल की सराहना की। उन्होंने डीएफआरएल की टीम एवं उद्योगों को ऐसे खाद्य उत्पाद निर्मित करने की सलाह दी जो पर्यावरणीय दृष्टि से वैश्विक बाजार के अनुकूल हों।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने अपना स्थापना दिवस तथा वार्षिक खेल दिवस 17 फरवरी 2023 को मनाया। इस अवसर पर डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (ईसीएस) मुख्य अतिथि थे। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने श्रोताओं व सभा का स्वागत किया तथा आईआरडीई के स्थापना दिवस पर अधिकारियों, कर्मचारीगणों, और उनके परिवार के लोगों का स्वागत किया। उन्होंने वर्ष 2022 के दौरान परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आईआरडीई के सभी कर्मियों को धन्यवाद दिया तथा उनकी सराहना की।

अपने संबोधन में, डॉ अजय कुमार ने हमारे सैन्य बलों के लिए गुणवत्ता, विश्वसनीयता, और उच्च प्रदर्शन के साथ आगामी पीढ़ी की प्रणालियों के निर्माण

(जिन्हें समय पर सुपुर्द किया जा सके तथा जो सभी समकालिक प्रणालियों से बेहतर हों) के विजन को साझा किया।

डॉ दास एवं डॉ अजय कुमार ने आईआरडीई की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'संकल्प' का विमोचन किया। उन्होंने 'संकल्प' तकनीकी पत्रिका का विमोचन किया, जिसमें आईआरडीई के अधिकारियों तथा कर्मचारीगणों द्वारा हिंदी भाषा में लिखे गए तकनीकी लेखों को कवर किया गया है। महानुभावों ने इस अवसर पर आईआरडीई मिशन–2023 का भी विमोचन किया।

डीआईपीआर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 'सैन्य बलों की मानव पूँजी का अनुकूलनः मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य' पर 25–28 अप्रैल 2023 के दौरान एक चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य पूरी दुनिया के सैन्य बलों की मानव पूँजी के संदर्भ में हाल ही के उन्नयनों, उभरती प्रवृत्तियों, और मनोवृत्ति की चुनौतियों पर चर्चा करना था।

सम्मेलन में तीनों सेनाओं, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, और शिक्षा संस्थाओं ने सहभागिता की। देशभर से लगभग 250 महानुभावों तथा शोधकर्ताओं ने सम्मेलन में भाग लिया। उदघाटन समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि डॉ वी के सारसवत, सदस्य नीति आयोग ने डीआईपीआर के योगदानों की प्रशंसा की और कहा कि प्रौद्योगिकी तेजी से निरंतर विकसित की जा रही है, जिसे प्रभावकारी रूप से एकीकृत किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी केंद्रित युद्धास्त्रों के वर्तमान युग में, मनोवृत्ति मानव–मशीन इंटरफेस सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, रक्षा आर एण्ड डी विभाग एवं अध्यक्ष डीआरडीओ तथा सम्मेलन के मुख्य संरक्षक ने अपने

संदेशों के माध्यम से संबद्ध क्षेत्रों व डोमेन में अनुसंधान की महत्ता पर जोर दिया तथा महानुभावों और आयोजकों को भारतीय सैन्य बलों के लिए डीआईपीआर में अनुसंधान प्रयासों को सुदृढ़ करने हेतु शुभकामनाएं दीं।

सहायक जनरल, भारतीय थल सेना ले0 जनरल सी बी पोनप्पा ने यह उम्मीद जताई कि सम्मेलन के दौरान जिन बड़े क्षेत्रों पर चर्चा की जा रही है, वे सैन्य बलों के लिए मददगार होंगे। डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (एलएस) ने सैन्य मनोवृत्ति एवं उच्चत्तर युद्धास्त्र तकनीकों के संदर्भ में काफी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए मनोविज्ञान, कृत्रिम ज्ञान, मशीन लर्निंग, आदि के बीच सहयोगात्मक अभिगमों को उजागर किया। डॉ के रामचन्द्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआईपीआर ने सम्मेलन की थीम की महत्ता पर बात की एवं कहा कि राष्ट्र के महत्वपूर्ण हितों को संरक्षित करने में शांति काल के ऑपरेशनों के साथ–साथ हमारे सैन्य बलों तथा संबद्ध बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों की जिम्मेदारियों की रूपरेखा विविध है।

डॉ जितेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव ने कहा कि सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है विभिन्न हितधारकों, जैसे सैन्य बलों, शिक्षा संस्थाओं, अनुसंधान संस्थान तथा डीआरडीओ के वैज्ञानिकों से प्रमुख विषयों पर विविध परिप्रेक्ष्य प्राप्त करना। उन्होंने बल देते हुए कहा कि चर्चा एवं बातचीत के माध्यम से इस चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विचारों का आदान–प्रदान सैन्य मनोवृत्ति में चल रही तथा भावी अनुसंधान प्रयासों को गति प्रदान करेगा। सम्मेलन का लक्ष्य देश में शिक्षा संस्थाओं तथा अन्य अनुसंधान संस्थाओं व संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान करने हेतु एक अवसर उपलब्ध कराना था।

इनमास में एडी कॉर्प्स दंतचिकित्सा अधिकारियों के लिए सीबीआरएन चिकित्सा प्रबंधन कार्यशाला

सीआरएमएम प्रभाग, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली ने 27–28 मार्च 2023 के दौरान एक दो द्विवसीय सीबीआरएन चिकित्सा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के प्रतिभागियों में महानिदेशक डीएस द्वारा नामित 20 एडी कॉर्प्स से दंतचिकित्सा अधिकारी शामिल थे। यह इनमास में एडी कॉर्प्स दंतचिकित्सा अधिकारियों के लिए अनन्य रूप से आयोजित पहली सीबीआरएन कार्यशाला थी। प्रशिक्षण में सीबीआरएन के बारे में सुग्राहीकरण और चिकित्सा प्रबंधन व्याख्यान, प्रशिक्षण मैनिकिन्स के साथ बुनियादी जीवन प्रयोगात्मक सपोर्ट डेमो तथा स्थिति चर्चाएं शामिल थीं। प्रशिक्षण उस टास्क प्रोजेक्ट का भाग था जिसे कोई भी सीबीआरएन घटनाक्रम से निपटने हेतु राष्ट्रीय क्षमता को बढ़ाने के लिए शुरु किया गया था।

अभिलेख प्रबंधन पर प्रशिक्षण

पुणे क्षेत्र के लिए डीआरडीओ के अभिलेखों के प्रबंधन पर रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी), पुणे में 6–7 फरवरी 2023 के दौरान एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संसदीय कार्य निदेशालय, राजभाषा, संगठन एवं विधियां (डीपीएआरओ एवं एम), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा अभिकल्पित एवं आयोजित किया गया, जबकि अन्य व्यवस्थाएं डीआईएटी पुणे ने कीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी', डीपीएआरओ एवं एम ने 'संगठन एवं विधियां: अभिलेख प्रबंधन और उसके दिशानिर्देश का अवलोकन' पर एक परिचयात्मक वार्ता की प्रस्तुति की।

डीपीएआरओ एवं एम से संकाय सदस्यों में, श्री सी पी मीना, वैज्ञानिक 'ई'; श्री मनोज के. शाक्य, टीओ 'सी' तथा एनएआई से विशेषज्ञ संकाय श्री उदय शंकर शामिल थे जिन्होंने अभिलेख

प्रबंधन की महत्ता; वर्गीकृत अभिलेख एवं लोक अभिलेख अधिनियम एवं नियम, अभिलेख प्रबंधन नीति, 'अभिलेख धारण करने की अनुसूची; डीआरडीओ पुरालेख एवं रिट्राइवल प्रणाली' (डीएआरएस) तथा सीएसएमओपी एवं अभिलेख कक्ष की स्थापना पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को डॉ सी पी रामनारायण, उप कुलपति डीआईएटी और श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा पुणे क्षेत्र की विभिन्न प्रयोगशालाओं के 74 प्रतिभागियों को संयुक्त रूप से प्रमाणपत्र वितरित करने के उपरांत संपन्न किया गया।

आईआरडीई में स्वच्छता मिशन पर व्याख्यान

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने 20 फरवरी 2023 को स्वच्छता मिशन पर एक व्याख्यान आयोजित किया। व्याख्यान डॉ नानासाहेब धार्माधिकारी प्रतिष्ठान, महाराष्ट्र की टीम द्वारा 'स्वच्छता मुहिम, साफ–सफाई एवं 3–आर' पर दिया गया। श्री पी के शर्मा, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, आईआरडीई ने टीम का स्वागत किया। व्याख्यान का उद्देश्य आईआरडीई समुदाय की स्वच्छता गतिविधियों में प्रतिभागिता सुनिश्चित करना तथा स्वच्छ भारत को यथार्थ रूप सें एक नागरिक आंदोलन के रूप में परिवर्तित करना था। आईआरडीई के अधिकारियों तथा कर्मचारीगणों ने व्याख्यान में भाग लिया जिन्हें 3–आर अथार्त रिडयुस, रियुज एवं रिसाईकिल के विभिन्न

आयामों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। श्री शर्मा ने टीम को स्वच्छता गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने के लिए बधाई दी और श्रोताओं व सभा से आईआरडीई के स्वच्छता मिशन में सक्रियता से सहभागिता करने की उम्मीद जताई।

डीएमआरएल में हिंदी कार्यशाला

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने सभी तकनीकी अधिकारियों 'बी' के लिए 17 मार्च 2023 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। श्रीमती बेला, उप निदेशक एवं प्रभारी, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने राजभाषा के रूप में हिंदी के इतिहास पर एक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने हिंदी लेखन के संबंध में विभिन्न नियमों को बताया तथा हिंदी में अनेक महत्वपूर्ण टिप्पणों को लिखते हुए पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग के बीच अंतर के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अंग्रेजी के बजाय हिंदी में टिप्पणियां लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उचित टिप्पण

लेखन के संबंध में एक व्यावहारिक/ परीक्षा सत्र भी संचालित किया।

डीएमएसआरडीई में नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 'रक्षा अनुप्रयोगों के लिए नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियां' पर 20–24 मार्च 2023 के दौरान एक निरंतर शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 25 प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम का उदघाटन डॉ मयंक द्विवेदी, निदेशक,

डीएमएसआरडीई, कानपुर ने किया। इस 5 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न नामचीन राष्ट्रीय संस्थानों से जाने. माने वार्ताकारों तथा डीएमएसआरडीई से वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने हाल ही के प्रौद्योगिकीय उन्नयनों पर वैज्ञानिक वार्ताएं प्रस्तुत कीं। डॉ संतोष कुमार त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक, और श्री सुभाष मंडल, वैज्ञानिक 'ई', पाठ्यक्रम समन्वयक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

आईआरडीई मे क्वांटम संगणन प्रौद्योगिकियों पर संगोष्ठी

यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने 'क्वांटम संगणन प्रौद्योगिकियां' पर 2–3 मार्च 2023 के दौरान एक दो–दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्देश्य इलेक्ट्रो.ऑप्टिक सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए क्वांटम संगणन प्रौद्योगिकियों की संभाव्यता की खोज करना था।

डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने संगोष्ठी का उदघाटन किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ जी अथिथन, पूर्व डीएस एवं डीजी (एमईडी एवं सीओएस), डीआरडीओ थे। उन्होंने क्वांटम संगणन पर एक शीर्ष संबोधन दिया। उन्होंने क्वांटम संगणन पर एक शीर्ष संबोधन दिया। संगोष्ठी ने क्वांटम संगणन एवं सेंसिंग पर विभिन्न विषयों को कवर किया। डीआरडीओ से नामचीन व्यक्तियों

और प्रसिद्ध शिक्षा संस्थाओं ने वार्ताओं की प्रस्तुति की। संगोष्ठी में आईआरडीई, डील, एवं आरसीआई से 33 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। आईआरडीई द्वारा भावी रूप से उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा करने हेतु एक पैनल चर्चा की गई। डॉ जी उन्नीकृष्णन, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई संगोष्ठी के समन्वयक थे।

मिशन कर्मयोगी के तहत कार्यशाला

डीएचआरडी के मार्गदर्शन के तहत 'मिशन कर्मयोगी' में सुविदा प्रदान करने हेतु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलूरु ने 27–28 मार्च 2023 के दौरान 'वार्षिक क्षमता निर्माण योजना' पर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य डीआरडीओ के कर्मियों के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता की पहचान (टीएनआई) करना तथा क्षमता निर्माण करना था।

एचआर प्रमुखों, एचआर समन्वयकों, वैज्ञानिक 'ई', वैज्ञानिक 'सी', टीओ बी', एसटीए 'बी', बेंगलूरु आधारित प्रयोगशालाओं से प्रशासन संवर्ग, भंडार संवर्ग, और लेखा संवर्ग ने कार्यशाला में भाग लिया। श्री आर के जेन, वैज्ञानिक 'एफ', और एडी ने डॉ महबूबा बेगम, वैज्ञानिक 'एफ', एडी, डीएचआरडी ने कार्यशाला में समन्वय किया।

डीआईपीआर में प्रयोक्ता कार्यशाला

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 18 अप्रैल 2023 को अन्य रैंक ट्रेड एलोकेशन सिस्टम (ओआरटीएएस) 4.0 कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ के रामचन्द्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआईपीआर ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए सैन्य बलों में उचित पद पर उचित व्यक्ति को तैनात करने की महत्ता पर जोर दिया। डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी' ने ओआरटीएएस संस्करण 1.0, संस्करण 2.0 और संस्करण 3.0 का ओवरव्यू प्रस्तुत किया। डॉ गुरुप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ' ने विभिन्न प्रशिक्षण एवं रेजिमेंटल केंद्रों से प्रतिक्रिया एवं आवश्यकताओं तथा भावी परिदृश्य के बारे में बात की।

डीआरडीओ जल परीक्षण किट पर प्रशिक्षण

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 4 कॉर्प्स के तहत थलसेना कार्मिकों के लिए 11 अप्रैल 2023 को डीआरडीओ जल परीक्षण किट पर प्रशिक्षण का आयोजन किया।

डॉ डी वी कंबोज, निदेशक, डीआरएल ने सभी प्रतिभागियों के साथ बातचीत की तथा उन्हें डीआरडीओ की जल परीक्षण किट का प्रयोग करके जल में संदूषकों की खोज करने के लिए आवश्यक कौशलों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उत्तर पूर्व भारत के दूर–दराज एवं आगे के क्षेत्रों में तैनात थलसेना कार्मिकों को क्षेत्रीय स्थितियों में पेय जल के निर्धारण के संबंध में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। डीआरएल तेजपुर द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रशिक्षण से उन्हें समस्या को प्रभावकारी रूप से हल करने में सहायता मिलेगी। ऐसा हो सकता है कि देखने में पानी साफ–सुथरा लगे, परंतु वह फ्लोराइड, आर्सेनिक, बैक्टीरिया, आदि से संदूषित हो सकता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। प्रयोगशाला ने एक ऐसी किट विकसित की है, जो जल में खतरनाक संदूषकों सहित 11 प्राचलों की खोज कर सकती है। थलसेना के कार्मिकों को प्रशिक्षण के दौरान डीआरडीओ की जल परीक्षण किट का प्रयोग करके जल में संदूषकों की खोज के लिए एक विस्तृत प्रदर्शन भी दिखाया गया।

टेरी-आईडब्ल्यूए-यूएनडीपी जल संधारणीय पुरस्कार

स्वच्छ जल एवं स्वच्छता पर स्थायी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में, ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी), नई दिल्ली द्वारा जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से आयोजित 'नवोन्मेषी जल प्रौद्योगिकियों का विकास एवं उपयोग' में सुविधा प्रदान करने के लिए रक्षा सामग्री एवं भंडार और अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), डीआरडीओ, कानपुर को जल प्रौद्योगिकी में नवोन्मेष की श्रेणी के तहत जल संधारणीय पुरस्कार 2022–23 प्रदान किया गया है। डॉ मयंक द्विवेदी, निदेशक, डीएमएसआरडीई, डॉ किंगसुक मुखापोध्याय, वैज्ञानिक 'जी' एवं परियोजना सलाहकार; डॉ देबमाल्या रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' एवं परियोजना लीडर; श्री सुभाष मंडल, वैज्ञानिक 'ई' एवं गतिविधि लीडर को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार

सुश्री रम्या कुसुमा सुंकरा, वैज्ञानिक 'डी', वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलूरु ने 'डीप न्यूरल नेटवर्कों का प्रयोग करके रिकन्फिगरेबल इंटेलिजेंट सरफेसिस के साथ रडार बीम फोरमर्स का डिजाइन' के लिए श्री के एस वराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) से युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई में 18–20 जनवरी 2023 के दौरान आयोजित युवा वैज्ञानिक बैठक–2023 में 'सर्वश्रेष्ठ नवोन्मेषी आइडिया' पुरस्कार प्राप्त किया।

एनपीओएल में मेरिट इवनिंग-2023

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने भवन का वरूणा विद्यालय (बीवीवी), कोच्चि के छात्रों को सुविधा प्रदान करने के लिए 23 फरवरी 2023 को एनपीओएल–वरूणा मेरिट इवनिंग–2023 का आयोजन किया, जो एनपीओएल एवं भारतीय विद्या भवन का एक संयुक्त उद्यम है। बीवीवी के उन छात्रों जिन्होंने पिछले तीन वर्षों की बोर्ड परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया था, को सुविधा प्रदान करने हेतु एनपीओएल में एक मेरिट इवनिंग का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रो0 पी आर वेंकिटारमन, वरिष्ठ आजीविका परामर्शदाता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लगभग 60 छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। डॉ अजीत कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, एनपीओएल; श्री बिजू गोपाल, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने अभिवादन वक्तव्य दिए; तथा श्रीमती रेमादेवी के पी, प्राचार्य, बीवीवी, श्री प्रभासुतन, वैज्ञानिक 'एफ' एवं उपाध्यक्ष, एसएमसी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किए।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुकों के दौरे

केयर, बेंगलूरु

वर्तमान भारत–जापान सहयोगात्मक परियोजना के भाग के रूप में, केयर में 14–17 मार्च के दौरान संयुक्त कार्यसमूह (जेडब्ल्यूजी) और संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) बैठकों का आयोजन किया गया। फ्यूचर कैपेबिलिटीज डिवलेपमेंट सेंटर (एफसीडीसी), एटीएलए, तथा जापान रक्षा मंत्रालय से चार प्रतिनिधिमंडलों की एक टीम ने केयर का दौरा किया और उपरोक्त बैठकों में सहभागिता की। उन्होंने कार्य की प्रगति की चर्चा की और जेएससी के लिए एक रिपोर्ट तैयार की।

सीएचईएसएस, हैदराबाद

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 24 मार्च 2023 को उच्च ऊर्जा प्रणाली एवं विज्ञान केंद्र (सीएचईएसएस), हैदराबाद का दौरा किया। डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) ने सीएचईएसएस की गतिविधियों तथा सीएचईएसएस द्वारा विकसित निर्देशित ऊर्जा शस्त्र (डीईडब्ल्यू) के बारे में बताया। डॉ जगन्नथ नायक, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक एवं टीम सीएचईएसएस ने उन्हें ड्रोन रोधी एवं यूएवी रोधी अनुप्रयोगों के लिए देशज रूप से विकसित डीईडब्ल्यू प्रणाली को दिखाया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आर एण्ड डी) एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 7 अप्रैल 2023 को रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर का दौरा किया। डॉ मयंक द्विवेदी, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने डॉ कामत तथा श्रीमती स्मिता कामत का स्वागत किया। डॉ कामत ने सिलिकॉन कार्बाइड फाइबर प्रोसेसिंग प्रयोगशाला का उदघाटन किया जिसके उपरांत डीएमएसआरडीई स्थलों पर वृक्षारोपण किया।

आईआरडीई, देहरादून

विशेष हथियार एवं रणनीति (एसडब्ल्यूएटी) टीम, विशेष सेल, दिल्ली पुलिस के अधिकारियों सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने 6 मार्च 2023 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता सुश्री पुर्णिमा पांत्री, दिल्ली पुलिस की एसीपी ने की। एसडब्ल्यूएटी की टीम का स्वागत श्री नीरज भार्गव, वैज्ञानिक 'जी' एवं संयुक्त निदेशक, आईआरडीई द्वारा किया गया। उन्होंने टीम को आईआरडीई के उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को दिखाया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

वाइस एडमिरल संजय महिंद्रू, एवीएसएम, एनएम, डीसीएनएस ने पी–75 श्रेणी की पनडुब्बियों के साथ एअर इनडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली के एकीकरण की समीक्षा करने के लिए 5 अप्रैल 2023 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ का दौरा किया। उन्हें श्री वी पी देशमुख, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा एनएमआरएल द्वारा चलाई जा रही विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया।

टीबीआरएल, चंडीगढ़

सुश्री सुमा वरुगीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं डीजी (एमईडी एवं सीओएस) एवं सीएस (एमसीसी), और डॉ सीमा विनायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली ने एसएसपीएल द्वारा विकसित और एसआईटीएआर द्वारा फैब्रीकेट किए गए एमईएमएस हाई 'जी' लैच स्विच के परीक्षणों को देखने के लिए चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ का दौरा किया। उन्होंने टीबीआरएल द्वारा विकसित लेजर डिटोनेटरों का परीक्षण देखा, जिन्हें एसएसपीएल द्वारा विकसित हाइ–पावर डायोड लेजरों का प्रयोग करके दागा जाता है।

डीआरडीओ राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने 13 से 15 मार्च 2023 के दौरान डीआरडीओ राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता 2022–23 का आयोजन किया। श्री बी वी पपा राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीएएस, ने 13 मार्च 2023 को प्रतियोगिता का उदघाटन किया। दक्षिण क्षेत्र और उत्तर क्षेत्र की टीमें, टीम चैम्पियनशिप (महिला) श्रेणी में क्रमशः विजेता तथा उपविजेता टीमें थीं। टीम चैम्पियनशिप (पुरुष) श्रेणी में, केंद्रीय क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र की टीमों को क्रमशः विजेता एवं उपविजेता घोषित किया गया। ओपन सिंग्लस श्रेणी में, केंद्रीय क्षेत्र और उत्तर क्षेत्र की टीमों को पुरुष

श्रेणी में क्रमशः विजेता और उपविजेता घोषित किया गया, जबकि महिला श्रेणी में, उत्तर क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र टीमों को क्रमशः विजेता और उपविजेता घोषित किया गया।

एनएसटीएल में सीएडी/सीएई केंद्र का उदघाटन

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने यांत्रिक प्रणाली निदेशालय (एमएसडी) में एक सीएडी/सीएई केंद्र स्थापित किया। केंद्र का उदघाटन डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल द्वारा डॉ वाई अप्पा राव, वैज्ञानिक 'जी', जीडी (एमएसडी एवं I), और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ 2 मार्च 2023 को किया। यह केंद्र एनएसटीएल के सभी संरचनात्मक डिजाइन एवं विश्लेषण आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा।

हैदराबाद में नेत्र जांच शिविर

रक्षा प्रबंधन एकक (आर एण्ड डी), हैदराबाद ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त, तेलंगाना सरकार के सानिध्य में 'कांति वेलुगु' के तहत एक 'नेत्र जांच शिविर' आयोजित किया। शिविर का आयोजन 28 मार्च 2023 से 15 अप्रैल 2023 के दौरान किया गया। शिविर आयोजित करने का उद्देश्य मुफ्त में चश्में देने के साथ नेत्र जांच और दृष्टि व नजर की जांच करना था। इसके अलावा, आंखों

के आम विकारों के लिए दवाइयां उपलब्ध कराई गईं, और आंखों के गंभीर रोगों की रोकथाम पर लोगों को जागरुक करने हेतु उपयुक्त कार्रवाई की गई।

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित